

1 271

378



उत्तर प्रदेश / UTTAR PRADESH

714438

1

## विक्रय-पत्र

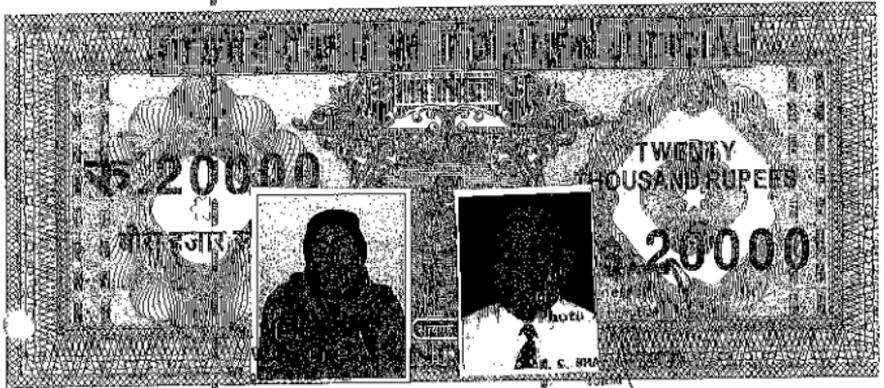
बैनामा अंकन 48,50,000/- रुपये।

स्टाम्प अंकन 3,40,000/- रुपये।

लिवरण विक्रय सम्पत्ति:- कृषि भूमिधरी के खाता नं0 303 के खेत नं0 115 रकबा 1.1530 हेक्टेयर सम्पूर्ण अपने में से 0.3373 हेक्टेयर भूमि को बैनामा हाजा में बेचा गया है स्थित ग्राम चमरावली रामगढ़, परगना व तहसील दादरी, जिला- गौतमबुद्धनगर।

स्वामि





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

714439

2

विक्रेता एवम् क्रेता दोनों अनुसूचित जाति एवं जनजाति से नहीं है।

सौभाग्य



कार्यालय उप कोषागार  
सादरी

11 JAN 2010

रकम नं. 72  
रकम नं. 72 में शामिल किया गया  
उप पोकरिया

नाम श्री परिमो  
पुत्र श्री मोहनदास पति नरदी  
पत्नी कुमकुट  
व श्री अन पति अन  
पुत्र श्री अन पति अन  
पिता अन  
पत्नी अन

१  
१०/१/१०

रत निस्तर यकी  
11-01-10



नामी भले प्रतीत ते हे चिन्ह  
अंगुली निस्तर यकी

अन निस्तर यकी  
पत्नी मोहन मुद यकी

11-01-10

अन



अन्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

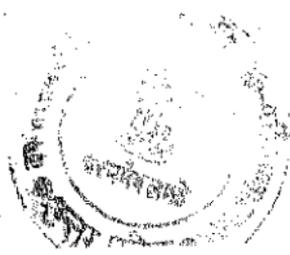
714440

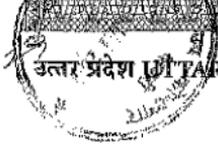
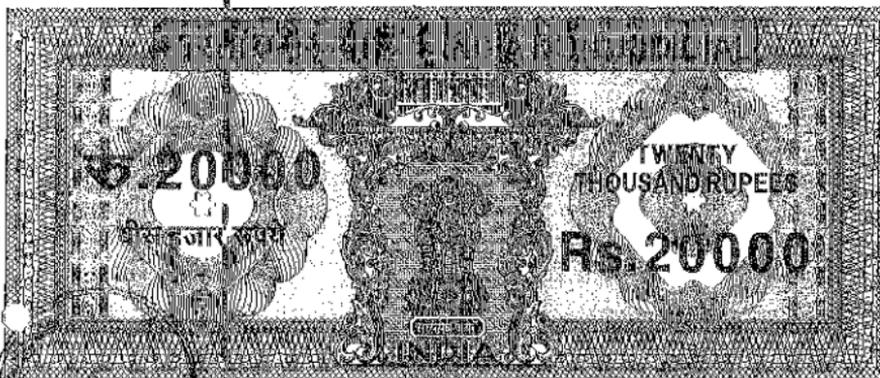
3

विक्रीत भूमि ग्राम समाज पट्टे व भूदान पट्टे आदि की नहीं है। संक्रमणीय भूमिधरी दर्ज है।

सेनाराम

कार्यालय उप कोषागार  
कमलपरी  
11 JAN 2010  
रकम नं. 24  
रकम नं. 24 में शामिल किया गया  
एच. वी. वी. वी.





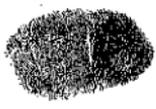
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

714441

4

विक्रीत भूमिधरी भूमि जिसका सर्किल रेट 85,00,000/-  
रुपये प्रति हेक्टेयर का है। विक्रीत रकबा कम होने के  
कारण आबादी दर पर स्टाम्प अदा किया गया है।

सैवाराम



राज्यात्मक वन वनोद्योग  
कार्यालय  
11 JAN 2010  
दस्तावेज नं. 75  
रजि. नं. 20  
रजि. नं. 75  
मी. शांति किता मया  
उप. लेखांक

राज्यात्मक वन वनोद्योग  
कार्यालय  
राज्यात्मक वन वनोद्योग  
कार्यालय





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

714442

5

विक्रीत भूमि किसी जी0टी0रोड, राज्य रोड अथवा लिंक  
रोड पर स्थित नहीं है

सेनाराम

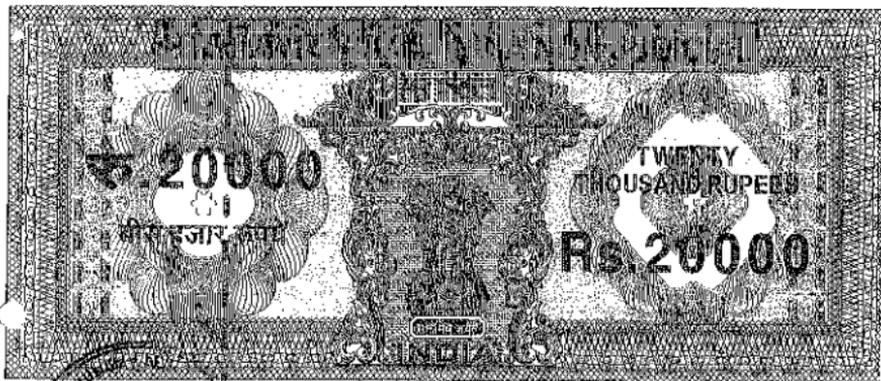


संघसचिवालय, राजपूत कॉलोनी,  
जालंधर

11 JAN 2010

संख्या नं. 28  
स्तम्भ नं. 28 में शामिल किया गया  
एन. पी. के. ए.





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

714443

6

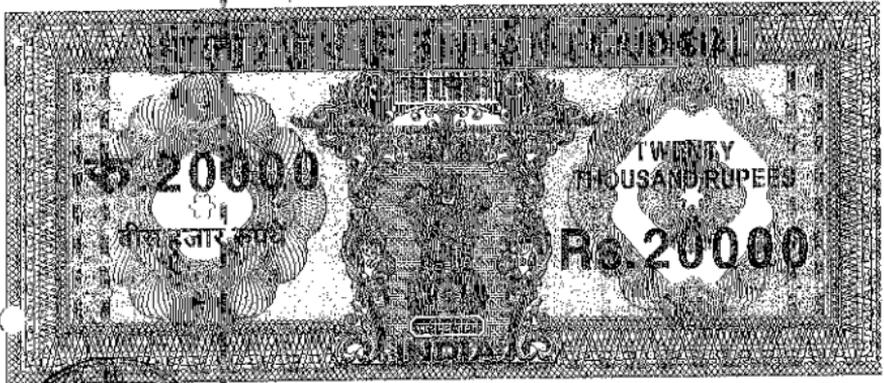
विक्रीत भूमि की बाबत क्रेता व विक्रेता दोनों पक्षों के मध्य पूर्व में कोई इकरारनामा माहदा वय पंजीकृत नहीं हुआ है।

स्वामि



कार्यालय खम कोषागार  
दादरी  
11 JAN 2010  
श्रम नं० 72  
श्रम नं० 72 में शामिल किया गया  
एच सेक्रेटरी





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

714444

7

हम कि सेवाराम पुत्र श्री बल्लभ जाति गुर्जर निवासी काम  
समझवली बोझाकी, परगना व तहसील दादरी, जयपुर-  
गौतमबुद्धनगर। (विक्रेता, फरीक अवाल)।

एवम्

मैसर्स सेलेस्टाइल रियल्टी लिमिटेड, 1202 अन्तरिक्ष भवन,  
22 कस्तुरबा गौरी मार्ग, नई दिल्ली 110001 द्वारा प्राधिकृत  
हस्ताक्षरी गीता राम त्यागी पुत्र स्व० श्री दाताराम त्यागी  
निवासी अपर बेसमेंट, अंसल एलाजा, नॉलिन पार्क प्रथम,  
बन्टीद्यूट एरिया, सेक्टर नौएडा, जिला- गौतमबुद्धनगर,  
पिन-201308 (उत्तर प्रदेश) (क्रेता फरीक बोधन)।

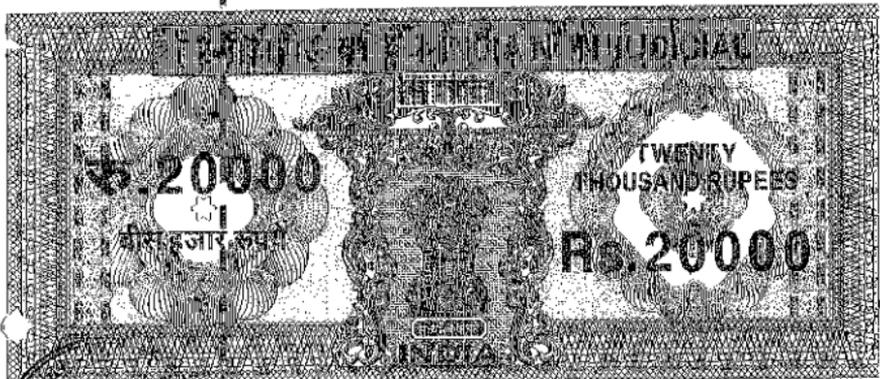
स्वा. 1/1



कार्यालय लख कोषागार  
 लखनऊ  
 11 JAN 2019  
 स्टांप नं. 2018  
 स्टांप नं. 22000 सविनि विजा गया  
 लख कोषागार

मान्य विभागाध्यक्ष, लख कोषागार, लखनऊ से प्राप्त दिनांक 08/01/2019 को  
 संख्या 2018/22000 सविनि विजा गया  
 लख कोषागार, लखनऊ, का संदर्भ है।  
 संदर्भ  
 लख कोषागार, लखनऊ, के निम्नलिखित विवरणों के आधार पर लख  
 कोषागार, लखनऊ, के निम्नलिखित विवरणों के आधार पर लख  
 कोषागार, लखनऊ, के निम्नलिखित विवरणों के आधार पर लख  
 कोषागार, लखनऊ, के निम्नलिखित विवरणों के आधार पर लख  
 कोषागार, लखनऊ, के निम्नलिखित विवरणों के आधार पर लख  
 कोषागार, लखनऊ, के निम्नलिखित विवरणों के आधार पर लख  
 कोषागार, लखनऊ, के निम्नलिखित विवरणों के आधार पर लख  
 कोषागार, लखनऊ, के निम्नलिखित विवरणों के आधार पर लख





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

714445

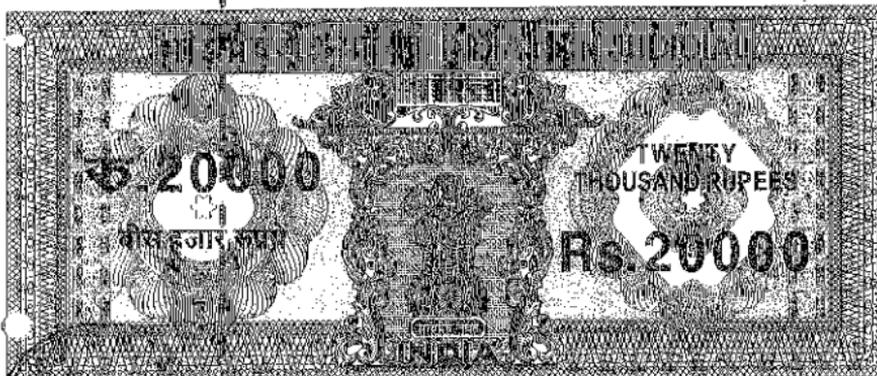
8

विदित हो कि विक्रित सम्पत्ति जिसका फरीक अब्दल एकमात्र मालिक व संक्रमणीय भूमिधर स्वामी है। जोकि आज दिन तक फरीक अब्दल की ओर से हर प्रकार के भार, बंधक आदि से पाक साफ व सुरक्षित है। यानि कि किसी भी स्थान पर आड़, रहन, बय, हिबै, माहदाबय, जमानत आदि से ग्रस्त नहीं है तथा उपरोक्त भूमि की बाबत किसी भी न्यायालय में कोई वाद विवाद विचाराधीन

सेवाराम

↓





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

714446

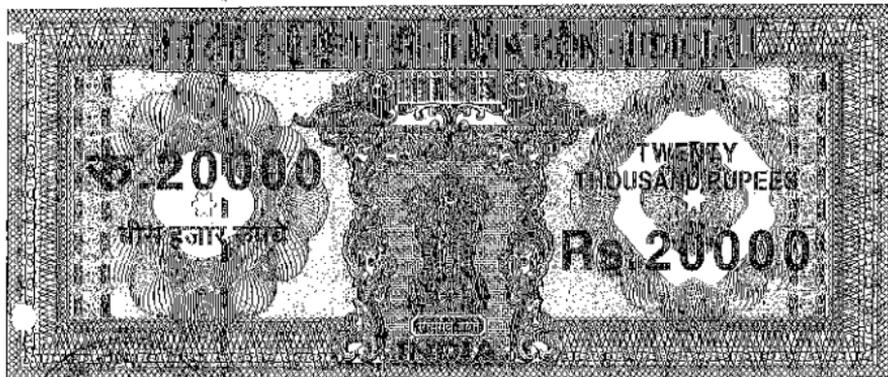
9

नहीं है तथा फरीक अब्दल के अतिरिक्त अन्य कोई व्यक्ति हकदार या हिस्सेदार नहीं है। कोई कारण बाधा का उपरोक्त भूमिधारी भूमि को विक्रय करने में नहीं आता है। अतः फरीक अब्दल ने अपनी समस्त शुद्ध बुद्धि व स्थिर चित्त की दशा में खूब सोच समझ कर बिना किसी दबाव व बहकाव के उक्त भूमि को सर्व अधिकार सहित आज की बजार कीमत के बदले अंकन

सोनाम







उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

714447

10

रुपये 48,50,000/- (अड़तालीस लाख पचास हजार रुपये मात्र) जिसके आधे अंकन रुपये 24,25,000/- होते हैं मैं इसी समय से हाथ उपरोक्त फरीक दायम को बेच दी तथा कतई वय कर व्री तथा समस्त विक्रीतधन अर्थात् भूमि की कुल कीमत निम्नलिखित अनुसार प्राप्त करके बेची भूमि को कब्जे अधिकार अपने से फरीक दायम में देकर उस पर फरीक

सोव राम

↓

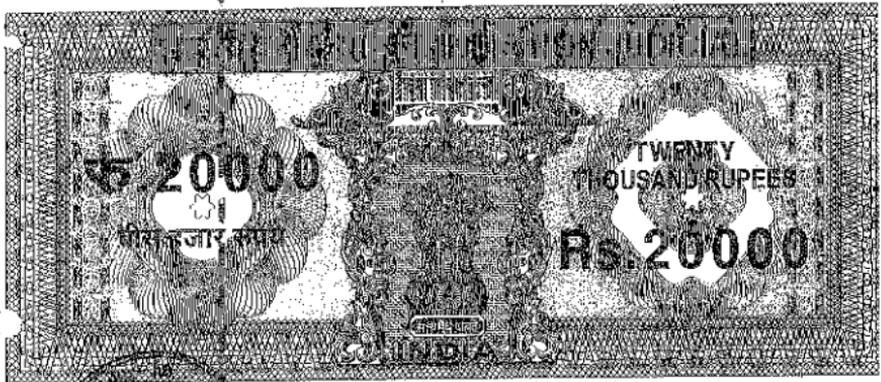
कार्यालय उध कौषागार  
दादरी

11 JAN 2010

पट्टा नं. 01 20/000  
स्वाभ. नं. में शामिल किया गया  
उप संकल्पित

महोदय,  
सविनय निवेदन है कि आपसे प्राप्त  
पत्र दिनांक 08/01/2010 को प्राप्त हुआ  
है। जिसमें उल्लेखित पत्र संख्या 01/20/000  
में उल्लेखित पत्र संख्या 01/20/000





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

714448

11

दोयम को अपने ही समान मालिकाना मालिक काबिज व दखिल कर दिया है। अब बैय किये पश्चात विक्रीत भूमि के किसी भी अंश से फरीक अब्दल व वारिसान फरीक अब्दल का कोई वास्ता या ताल्लुक किसी भी किस्म का शेष नहीं रहा है तथा ना ही भविष्य में होगा। कब्जा मीके पर फरीक दोयम को बहैसियत मालिक पूर्ण रूप से करा दिया है। अब आज की तारीख से ही फरीक दोयम

सोवाराम



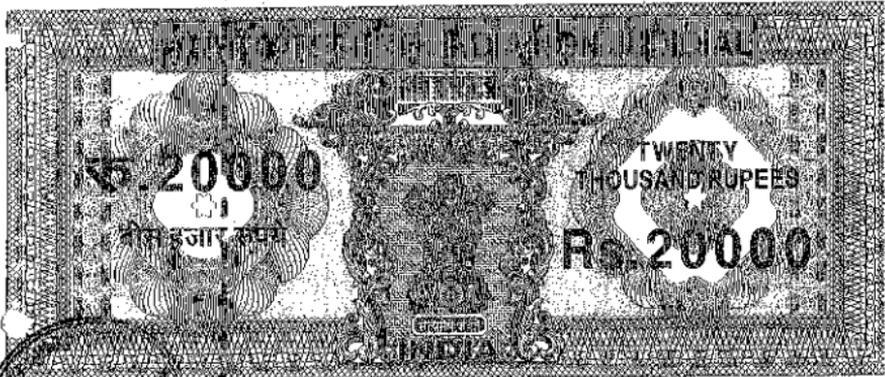
वडाखास्य लप कोषागार  
दाखरी

11 JAN 2010

स्टाम्प नं. १५५  
स्टाम्प नं. १५५ में शामिल किया गया  
लप सेलडिवा

वडाखास्य लप कोषागार  
दाखरी  
लप कोषागार  
दाखरी





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

714449

12

को सर्वथा हक व अधिकार होगा कि वह खरीदकर्ता कृषि भूमिधरी को जिस प्रकार चाहे प्रयोग मालिकाना अपने में लाकर चाहे जिस प्रकार से मालिकाना लाभ उठावें। यदि विक्रीत भूमि का कोई अंश किसी भी नुकश कानूनी कमी आदि के कारण से कब्जे मालिकाना क्रेता फरीक दायम से निकल जावेगा या कब्जा फरीक दायम को न मिले या फरीक अव्वल मालिकाना मालिक हस्ताक्षरकर्ता सिद्ध न

सेवा राम

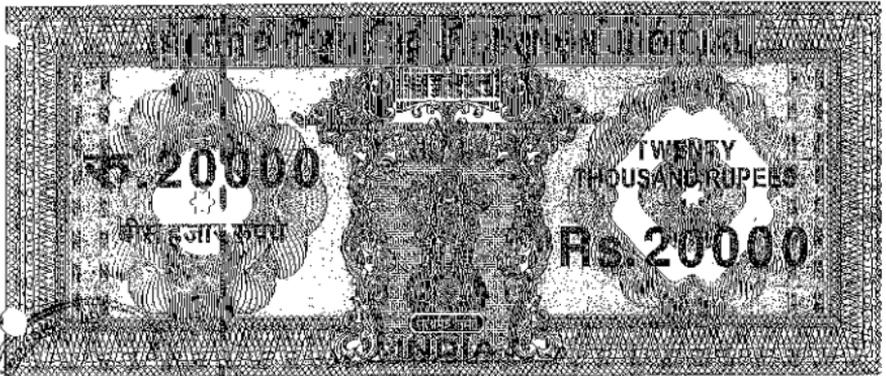


कार्यालय रूप खोखामगर  
ललमुरी

11 JAN 2010

संख्या नं. १३३-२०१०  
स्टाफ नं. १३३ में शामिल किया गया  
उप खोखामगर





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

714450

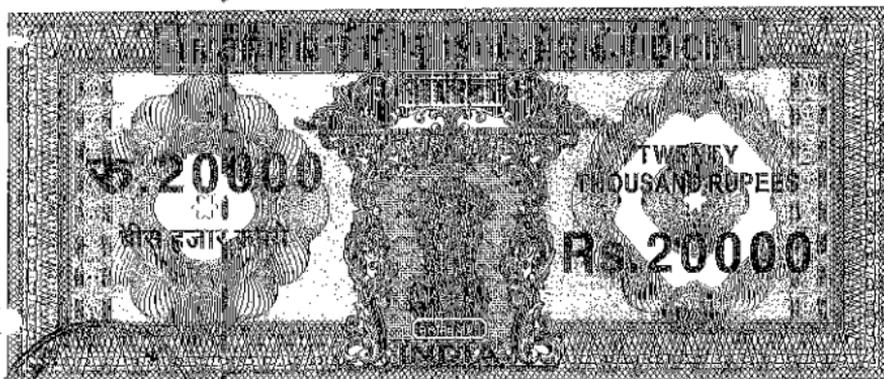
13

हुआ या अन्य किसी कारण से कब्जे मालिकाना फरीक दायम से कुल या आंशिक रूप से निकल जावेगी तो हर ऐसी दशा में फरीक दायम को हक होगा कि वह उस समय की बजार कीमत को जिस प्रकार चाहे बजरिये अदालत फरीक अव्वल व वारसान फरीक अव्वल की अन्य चल व अचल सम्पत्ति से वसूल कर लें तो कोई ऐतराज नहीं होगा। दाखिल खारिज बेची भूमिधरी का

सैवाराम







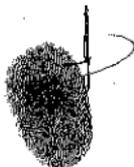
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

714451

14

बनाम फरीक दोयम के करा दूंगा या फरीक दोयम इस विक्रय पत्र के आधार पर सरकारी अभिलेखों में अपना नाम स्वयं दर्ज करा लें तो कोई ऐतराज नहीं होगा। विक्रीत भूमि कृषि भूमि है तथा आस-पास भी कृषि भूमि है।

सवार १५

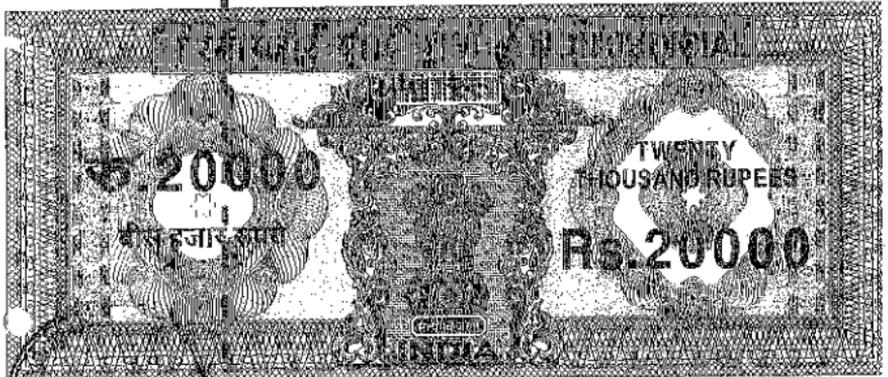


कार्यालय सप्त कोषागार  
नयापत्ती

11 JAN 2010

स्थान नं. १५  
स्थान नं. १२ में शामिल किया गया  
सप्त कोषागार





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

714452

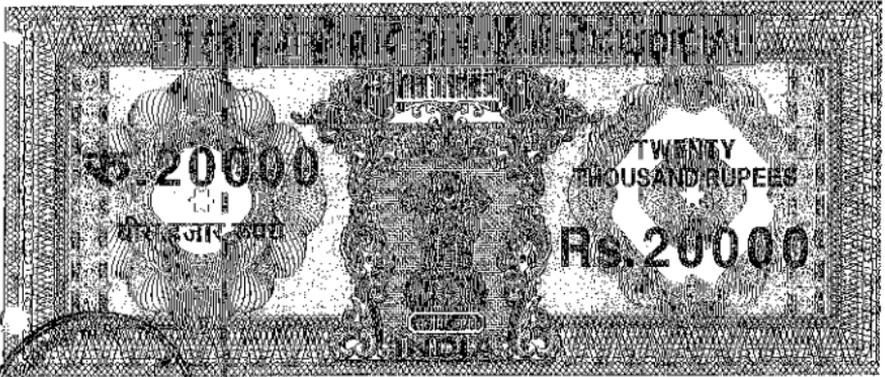
15

विवरण धन अदायगी :- द्वारा एकाउन्ट पेयी दो कित्त चैक नं० 975649 अंकन 20,00,000/- रुपये दिनांक 03-12-2009 व 975654 अंकन 26,72,000/- रुपये दिनांक 11-01-2010 इस प्रकार कुल अंकन 46,72,000/- रुपये के चैक पंजाब नेशनल बैंक, मिड कॉरपोरेट शाखा ए-9 कॉन्ट पैलेस, नई दिल्ली के द्वारा तथा शेष अंकन 1,78,000/- रुपये पेशगी इस प्रकार कुल अंकन 48,50,000/- रुपये फरीक अव्वल (विक्रेता) ने फरीक दोगम (क्रेता) से प्राप्त कर लिये। अब कोई पैसा विक्रेता का क्रेता की ओर बाक्री नहीं रहा है।

स्वा.म





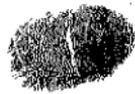


714453

16

उपरोक्त लिखित दस्तावेज फरीक अव्वल व फरीक  
दोयम की जानकारी के आधार पर तैयार की गयी।  
दस्तावेज पर चस्पा फोटो गवाहों के कथन पर सत्यापित  
है।

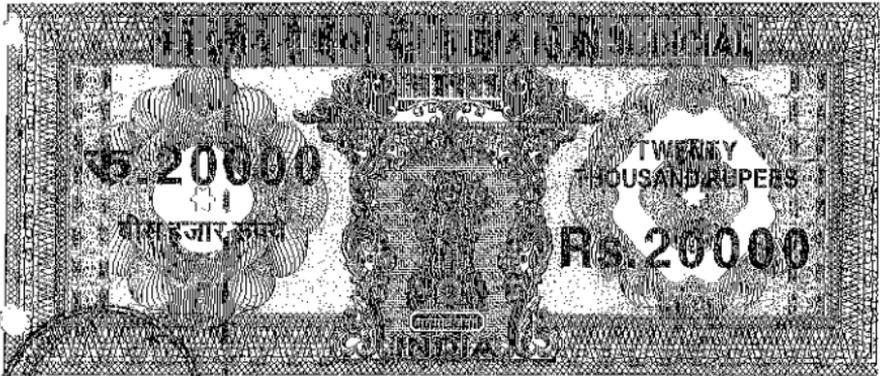
सिवाराम



कार्यालय स्व. कोषामार  
11 JAN 2018  
स्वाम्य नं. 02  
स्वाम्य नं. 02 में शामिल किया गया  
व्य. सेकड़िया

वि. नं. 02 स्वाम्य नं. 02 में शामिल किया गया  
स्वाम्य नं. 02 में शामिल किया गया  
व्य. सेकड़िया





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

714454

17

अतः यह विक्रय पत्र कहाँ मिल दिया कि प्रमाण रहे और यवत पर काम आये। इति॥

सेवाम

*[Handwritten signature]*



गवाह - 1

हरिप्रसाद  
हरिप्रसाद प्रकाश  
सि० लुण्ठुर

गवाह - 2

म० २०१० डि० १०  
म० १० डि० १०  
म० १० डि० १०



*[Handwritten signature]*

तारीख 11-01-2010 ई० मसीदाकर्ता राधेश्याम अग्रवाल, बैनामा  
शेखर, बाबरी (सीतामढुइमगर) लाइसेन्स नं०-1

बैनामा शेखर बा.व.-1  
सहस्रीष-बादरी (सीतामढुइमगर)

कार्यालय उत्तर प्रदेश सरकार  
 11 JAN 2010  
 प्रमाण सं. १०  
 स्थापना सं. १०

उप दिनांक 11/1/10  
 पत्र संख्या 2453  
 ते पुस्तक संख्या 292  
 पृष्ठ 332  
 पत्र क्रमांक संख्या 271  
 उप निरीक्षण किया गया।

उप निरीक्षण  
 गरी

